



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 12]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 27, 1982/चैत्र 6, 1904

No. 12]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 27, 1982/CHAITRA 6, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भारत निर्वाचन आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1982

आ० अ० 23 (अ) —राष्ट्रपति ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 14) की धारा 12 के अधिन जारी की गई अपनी तारीख 10 मार्च 1982 की अधिसूचना सं० एफ० 13 (1)/82-विधा-2 द्वारा अपनी उक्त अधिसूचना द्वारा उसमें निर्दिष्ट अन्य राज्यों के अतिरिक्त केरल विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों से यह अपेक्षा की है कि वे राज्य सभा में ऐसे सदस्यों के उन स्थानों को भरने के लिए जो अपनी पदावधि के अवसान के पश्चात् तारीख 2 अप्रैल, 1982 को निवृत्त हो रहे हैं, केरल राज्य से राज्य सभा के लिए तीन सदस्य निर्वाचित कर दें ।

और, निर्वाचन आयोग ने उक्त अधिनियम की धारा 39 की उप-धारा (i) के उपबन्धों के अनुसरण में तारीख 10 मार्च, 1982 को अपनी अधिसूचना सं० 318/82(1) द्वारा उन निर्वाचनों के संचालन के लिए विशिष्ट तारीखें नियत की हैं ।

और, राष्ट्रपति ने, राज्यपाल द्वारा केरल विधान सभा के विघटन के बाद संविधान के अनुच्छेद 356 के अधिन जारी की गई अपनी अधिसूचना द्वारा उस राज्य का राष्ट्रपति शासन के अधीन लेते हुए, केरल विधान सभा तारीख 17 मार्च, 1982 को विघटित कर दी है ।

और, केरल विधान सभा के विघटन के परिणामस्वरूप, इस समय केरल विधान सभा का कोई भी निर्वाचित सदस्य नहीं है जिसका नाम उक्त अधिनियम का धारा 152 के अधीन प्रेषित बनाए रखी

जाने वाली निर्वाचित सदस्यों की सूची में सम्मिलित किया जा सके, अब तक कि उक्त अधिनियम का धारा 73 के निबन्धना के अनुसार उक्त केरल राज्य में नई विधान सभा विधिवत गठित नहीं हो जाता है ।

और रिटर्निंग आफिसर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 36 के निबन्धना के अनुसार तारीख 18 मार्च, 1982 का नाम-निर्देशना की सर्वोक्षा करने में असफल रहा है और उक्त अधिनियम की, तथा विनिश्चयिता निर्वाचना का संचालन नियम 1961 के नियम 10 और 11 के साथ पठित उक्त अधिनियम का धारा 37 और 38 की और अपेक्षाओं का कार्यान्वित नहीं कर सका ।

और केरल राज्य के सम्बन्ध में उक्त अधिनियम की धारा-152 के अधीन निर्वाचित सदस्यों की सूची की अधिव्यमानता के कारण सन्धान तारीख 27 मार्च, 1982 को नहीं कराया जा सकता है और यह निर्वाचन तारीख 30 मार्च, 1982 अर्थात् उक्त प्रयोजनों के लिए नियत मत्संबंधी तारीखों से पूर्व पूरा नहीं किया जा सकता है ।

अतः, अतः, संविधान के अनुच्छेद 321 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 का धारा -49 (1) के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 153 संघारण खण्ड प्रतिनिधित्व, 1997 (1897 का 10) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस बार में इसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्वाचन आयोग केरल राज्य के सम्बन्ध में राज्य सभा के द्विवाचिक निर्वाचन के लिए नामनिर्देशना की सर्वोक्षा की तारीख, अर्थात् आधे वार्षिक के लिए अन्तिम तारीख और सन्धान की तारीख का मूल्यांकन करना है और अपनी तारीख 10 मार्च, 1982 की उपर्युक्त अधिसूचना सं० 318/82 (1) के क्रमशः खण्ड (ख), (ग), (घ) और (ङ) में यथा विनिश्चित निर्वाचन का पूरा करने की तारीख

की भाँति बढ़ाता है और इस प्रयोजन के लिए उसमें निम्नलिखित संशोधन करता है :—

विद्यमान खण्ड (ख), (ग), (घ) और (ङ) के स्थान पर जहाँ तक इनका सम्बन्ध केरल राज्य के द्विवार्षिक निर्वाचन से है, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किए जाएँगे और ये खण्ड तारीख 18 मार्च, 1982 से प्रतिस्थापित किए हुए समझे जाएँगे, अर्थात् :—

“(ख) नामनिर्देशन की संवीक्षा 1 अप्रैल, 1982 (बुधवार) की तारीख

(ग) अध्यक्षीयता, वापस लेने के 3 अप्रैल, 1982 (शनिवार) लिए अन्तिम तारीख

(घ) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 73 के निबन्धनों के अनुसार केरल विधान सभा के सम्यक गठन के परिणामस्वरूप, निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान कराने के लिए, यदि आवश्यक हुआ तो ऐसी तारीखों में नियत की जाएगी,

(ङ) निर्वाचन आयोग द्वारा ऐसी तारीखों जिनके पूर्व निर्वाचन पूरा कर लिया जाएगा, तभी नियत की जाएगी, जब उक्त खण्ड (घ) के अधीन विनिर्दिष्ट की जाने वाली मतदान की तारीख नियत करना सम्भव होगा।”

[च० 318/केरल/82]

आदेश से,

के० गणेशन, सचिव,
भारत निर्वाचन आयोग।

ELECTION COMMISSION OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th March, 1982

O.N. 23(E).—Whereas the President by his notification No. F. 13 (1)/82-Leg. II dated the 10th March, 1982, issued under section 12 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), was pleased to call upon among the States referred to in the said notification also the elected members of the Legislative Assembly of Kerala to elect three members from the State of Kerala to the Council of States for filling the seats of such of the members as would be retiring on 2nd April, 1982, on the expiration of their term of office;

And whereas after the Election Commission has, by its notification No. 318/82(1) dated the 10th March, 1982,

in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 39 of the said Act appointed the various dates for the conduct of those elections;

And whereas after the dissolution of the Legislative Assembly of Kerala by the Governor, the President has, by his reclamation issued under Article 356 of the Constitution, dissolved the Legislative Assembly of Kerala on 17th March, 1982, bringing the State under the President's rule;

And whereas consequent upon the dissolution of the State Legislative Assembly of Kerala, there are no elected members of the Legislative Assembly of Kerala at present whose names can be included in the list of elected members required to be maintained under section 152 of the said Act till the new Assembly in the said State of Kerala has been duly constituted in terms of section 73 of the said Act;

And whereas the Returning Officer has failed to hold the scrutiny of nominations on 18th March, 1982, in terms of section 36 of the said Act and has not carried out the further requirements of the said Act and particularly those of sections 37 and 38 of the said Act read with rules 10 and 11 of the Conduct of Elections Rules, 1961;

And whereas due to non-existence of the list of elected members under section 152 of the said Act in respect of the State of Kerala, the poll cannot be taken on the 27th March, 1982, and the election cannot be completed before the 30th March, 1982, i.e. the respective dates fixed for the above purposes;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Article 324 of the Constitution, section 153 of the Representation of the People Act, 1951, read with section 39 (1) of that Act, section 21 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897) and all other powers enabling it in that behalf the Commission hereby postpones the date for the scrutiny of nominations, the last date for the withdrawal of candidatures and the date of poll and extends the date of completion of the election as specified in clauses (b), (c), (d) and (e) respectively, of its above said notification No. 318/82 (1) dated the 10th March, 1982, for the biennial election to the Council of States in respect of the State of Kerala and for that purpose makes the following amendments therein :—

For the existing clauses (b), (c), (d) and (e) in so far as they relate to the biennial election from the State of Kerala the following clauses shall be substituted and shall be deemed to have been so substituted from the 18th March, 1982, namely :—

“(b) 1st April, 1982 (Thursday), as the date for the scrutiny of nominations;

(c) 3rd April, 1982 (Saturday), as the date for the withdrawal of candidatures;

(d) such date for taking the poll, if necessary as may be fixed by the Election Commission subsequent to the due constitution of the new Legislative Assembly in the State of Kerala in terms of section 73 of the Representation of the People Act, 1951; and

(e) such date before which the election shall be completed as may be fixed by the Election Commission after it becomes feasible to fix the date of poll to be specified under clause (d) above.”

[No. 318/KL/82]

By order,

K. GANESAN, Secy,
Election Commission of India